



**SRM**  
UNIVERSITY AP  
— Andhra Pradesh

**Carnegie Mellon University**  
School of Computer Science

**SRM AP, AMARAVATI  
LANDMARK COLLABORATION WITH  
CARNEGIE MELLON UNIVERSITY'S  
SCHOOL OF COMPUTER SCIENCE, USA FOR  
AI RESEARCH LAB**

A collaboration to drive novel AI research, innovation and education to shape future AI leaders and redefine the technological landscape



SRM AP, Amaravati

Carnegie Mellon University, USA



**ADVANCED AI RESEARCH LAB**

Establishing a state - of - the - art AI lab incorporating the latest advancements in AI and emerging technologies for pioneering research and innovation, inspired by CMU SCS's cutting-edge research ecosystem.



**DEEPER FACULTY ENGAGEMENT**

Faculty engage with CMU SCS's AI academia and research environment, redefining academic programs and advancing AI education at SRM AP.



**DISTINCTIVE RESEARCH INTERNSHIPS**

SRM AP Students intern at CMU SCS's AI labs in the United States gaining hands-on experience and working alongside world-class AI experts on real-world challenges.

**Shaping the Future of AI - Together !**

**SRM AP, Amaravati:** Neerukonda, Mangalagiri Mandal, Guntur District, Andhra Pradesh 522240

**CARNEGIE MELLON UNIVERSITY - SCS:** 5000 Forbes Ave, Pittsburgh, PA 15213, USA

























# बालको में विश्व महिला दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन

पायनियर संवाददाता < बालकोनगर  
www.dailypioneer.com

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व महिला दिवस के अवसर पर टाउनहॉल आयोजित कर महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पद्मश्री शमशाद बेगम को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार तथा मुख्य अतिथि की उपस्थिति में उक्त कार्यक्रम के लिए बालको की 83 महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर 6500 से अधिक महिलाओं को सशक्त बनाने की अपनी यात्रा के बारे में बताया। कर्मचारी और व्यावसायिक साझेदार महिलाओं की आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण और उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए टाउनहॉल में 400 से अधिक महिला कर्मचारी एकत्रित हुईं। इस कार्यक्रम में बालको परिवार की 12 सफल महिलाओं की यात्रा पर समर्पित पत्रिका अनस्टॉपेबल का भी शुभारंभ



तथा साथ ही टाउनहॉल में महिला कर्मचारियों के लिए व्यक्तिगत रूप से फिट की गई ड्रेस को भी लॉन्च किया गया। इस वर्ष प्रबंधन ने बालको की चयनित 23 महिला नेतृत्वकर्ताओं को एक दिन के लिए प्रबंधन के शीर्ष पदों पर सहायक के रूप में काम करने का अवसर दिया। चयनित महिलाओं को मुख्य

कार्यकारी अधिकारी से लेकर अन्य प्रमुख पद के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कार्य करने का अनुभव प्राप्त हुआ। विश्व महिला दिवस के अवसर पर बालको द्वारा शाम के समय महिलाओं के लिए एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं ने डांस, गाना तथा रैंप वॉक आदि विभिन्न

कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। बालको के सीईओ एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि पद्मश्री शमशाद बेगम का स्वागत करते हुए पूरा बालको परिवार खुद को सम्मानित महसूस कर रहा है। प्रेरक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपने छत्तीसगढ़ में समुदाय की शिक्षा और उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। सीईओ ने कहा कि

हम सभी इस टाउनहॉल में कंधे से कंधा मिलाकर बालको और देश की प्रगति में योगदान दे रही महिलाओं का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। महिलाएं विभिन्न रूपों में समाज को आगे बढ़ रही हैं। बालको प्रबंधन ने ऐसा वातावरण तैयार किया है जिससे सभी को समानता के साथ आगे बढ़ने के मौके मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ की प्रेरक सामाजिक कार्यकर्ता एवं पद्मश्री शमशाद बेगम युवाओं व महिलाओं की प्रेरणास्रोत हैं। इन्होंने नशामुक्त समाज बनाने तथा महिला कर्माडों का एक संगठन तैयार किया। समाजिक उत्थान के लिए समर्पित महिला कर्माडों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। बालको में अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी में महिला कर्मचारियों का योगदान प्रशंसनीय है। महिला विकास और सशक्तिकरण से ही देश की प्रगति को दुगुनी रफ्तार मिलेगी। एक सफल महिला की कहानी अन्य सभी महिलाओं के लिए प्रेरणादायी होती है। उन्होंने कहा कि संभावनाओं के समान अवसर पर महिलाएं खुद ही क्षमता का विकास कर सकती हैं।

# संभावित भारत अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता में किसान और लघु उद्योगों के हितों को मिले प्राथमिकता

पायनियर संवाददाता < रायपुर  
www.dailypioneer.com

स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद बैठक रायपुर छत्तीसगढ़ में संपन्न हुई। 2 दिन चली इस बैठक में स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान से जुड़े प्रदेश स्तर के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक की जानकारी देते हुए मंच के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख डॉ. धर्मेश्वर दुबे ने बताया कि बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए। देशभर से आए प्रमुख पदाधिकारियों ने चर्चा उपरांत प्रस्ताव पारित किया जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा कई देशों से आयात पर उच्च टैरिफ लगाने की अपनी मंशा की घोषणा और वैश्विक मुक्त व्यापार प्रणाली पर किए गए हमले के कारण अमेरिका द्वारा भारत सहित अन्य देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते होने की प्रबल संभावना को देखते हुए यह सुविचारित मत प्रकट किया कि भारत को बहुपक्षीय व्यापार समझौते के बजाय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के साथ अपने विदेशी व्यापार को बढ़ाना चाहिए। अमेरिका और अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करते समय राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जानी चाहिए विशेष रूप से हमारे किसान और छोटे उद्योगों के हितों की रक्षा अनिवार्य हो। इस प्रस्ताव की चर्चा



का नेतृत्व करते हुए स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ. अश्विनी महाजन ने कहा कि पूरा विश्व भू-आर्थिक विखंडन के एक सिंड्रोम से गुजर रहा है, इस समय सफलता की एकमात्र कुंजी स्वदेशी दर्शन पर आधारित राष्ट्र प्रथम की नीति है। अमेरिका मुक्त व्यापार प्रणाली का सबसे बड़ा समर्थक था जिसका विरोध स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़े ने शुरू किया और बताया कि उदारीकरण वैश्वीकरण और निजीकरण की नीति भारत के लिए फलदायक नहीं है। अमेरिका की मुक्त व्यापार नीति ही किसी न किसी तरह

से अर्थव्यवस्था में मंदी और बढ़ती बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार है यह डोनाल्ड ट्रंप अच्छी तरह से समझते हैं क्योंकि इसके कारण चीन से सस्ते आयात का रास्ता खुल गया जिसने अमेरिका सहित भारत जैसे देशों के उद्योग धंधों को चौपट कर दिया। महाजन ने स्पष्ट किया कि स्वदेशी जागरण मंच अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाने के खिलाफ नहीं है बल्कि मंच का दृढ़ विश्वास है कि बहुपक्षीय व्यापार समझौते अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे नहीं हैं क्योंकि सभी देशों को मोस्ट फेवरेट नेशन का दर्जा देने का कोई मतलब नहीं है।

# मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माता कौशल्या की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

पायनियर संवाददाता < रायपुर  
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के ग्राम चंदखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर में दर्शन व पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने माता कौशल्या एवं प्रभु श्रीराम के समक्ष नमन



करते हुए राज्य की प्रगति, जनता समरसता की प्रार्थना की। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर परिसर में

स्थित वैद्यराज सुषेण मंदिर और श्री दशरथ दरबार के भी दर्शन किए। इस अवसर पर माता कौशल्या जन्मभूमि सेवा संस्थान के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को माता कौशल्या और प्रभु श्रीराम का छायाचित्र भेंट किया। मुख्यमंत्री साय ने माता कौशल्या मंदिर परिसर में स्थित जलसेन सरोवर में कछुओं को दाना खिलाया और मंदिर परिसर के रखरखाव व सौंदर्यीकरण हेतु दिशा-निर्देश दिए।

# छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्रांति 3 लाख करोड़ का निवेश चार तरह के पावर प्लांट से बनेगी अपार ऊर्जा


प्रथम पृष्ठ का शेष

इससे छत्तीसगढ़ में परमाणु ऊर्जा से बिजली उत्पादन की शुरुआत होगी। थर्मल पावर क्षेत्र में भी बड़े निवेश की घोषणा हुई है। अदानी पावर 66,720 करोड़ रुपये खर्च कर कोरबा, रायगढ़ और रायपुर में 1600-1600 मेगावाट के तीन थर्मल पावर प्लांट लगाएगा। जिनदल पावर और रायगढ़ में 1600 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए 12,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जबकि

सरदा एनर्जी रायगढ़ में 660 मेगावाट क्षमता के प्लांट के लिए 5,300 करोड़ रुपये लगाएगी। इसके अलावा, सरकारी कंपनियां एनटीपीसी और सीएपीजीसीएल 41,120 करोड़ रुपये की लागत से 4500 मेगावाट बिजली उत्पादन करेंगी। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ को बड़ी सफलता मिली है। जिनदल पावर और एनटीपीसी ग्रीन मिलकर 10,000 करोड़ रुपये खर्च कर 2500 मेगावाट सौर बिजली का उत्पादन करेंगे। इसमें

खोलेसरा में 500 मेगावाट और रायगढ़ में 2000 मेगावाट के सौर प्लांट शामिल होंगे। किसानों के लिए भी खुशखबरी है। पीएम कुसुम योजना के तहत 4100 करोड़ रुपये की लागत से 675 मेगावाट सौर बिजली का उत्पादन किया जाएगा और 20,000 सोलर पंप लगाए जाएंगे। इससे किसानों को सिंचाई के लिए सस्ती बिजली मिलेगी और डीजल पंपों की जरूरत कम होगी। इसके अलावा, 57,046

करोड़ रुपये की लागत से 8700 मेगावाट क्षमता के पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट भी शुरू होंगे। इसमें एसजेएन कोटपाली में 1800 मेगावाट और जिनदल रिन्यूएबल द्वारा 3000 मेगावाट के प्रोजेक्ट शामिल हैं। इन सभी निवेशों के जरिए छत्तीसगढ़ जल्द ही देश के सबसे बड़े ऊर्जा उत्पादक राज्यों में शामिल हो जाएगा। इससे उद्योगों, किसानों और आम लोगों को फायदा होगा और राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।



## 3 लाख करोड़

के निवेश प्रस्ताव के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सतत समृद्धि की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़




**श्री विष्णु देव साय**  
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

**श्री नरेन्द्र मोदी**  
माननीय प्रधानमंत्री

- ⚡ ताप विद्युत ₹1,07,840 करोड़
- ⚡ परमाणु ऊर्जा ₹80,000 करोड़ का निवेश
- ⚡ पंप स्टोरेज परियोजनाएं (PSP) ₹57,046 करोड़
- ⚡ पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क ₹17,000 करोड़
- ⚡ पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (RDSS) ₹10,800 करोड़
- ⚡ सौर ऊर्जा ₹10,000 करोड़

- ⚡ पीएम सूर्य घर योजना ₹6,000 करोड़
- ⚡ पीएम कुसुम योजना ₹4,100 करोड़
- ⚡ क्रेडा सौर पहल ₹3,200 करोड़
- ⚡ बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) ₹2,600 करोड़
- ⚡ सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा ₹2,500 करोड़






ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़  
जन्मभूमि

Samvad-43186/75